

प्रेषक,

उत्पल कुमार सिंह,

सचिव

उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण

उद्यान भवन चौबटिया रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-1

देहरादून: दिनांक 12 दिसम्बर, 2005

विषय:-वित्तीय वर्ष 2005-06 में आयोजनागत पक्ष की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-699/3-लेखा (बजट) /2005 दिनांक 27 सितम्बर 2005 के माध्यम से प्रस्तुत प्रस्ताव के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत धान विकास बोर्ड के व्ययों के चहन हेतु 83.52 लाख (तिरसी लाख बावन हजार रुपये मात्र) की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने की महामहिम श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1-इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा।

2-उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-527-A/XXVII(1)/2005/दिनांक 26 अप्रैल 2005 में दिये गये निर्देशों, शासन से समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

3-किरी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार व्यव प्रक्रिया (स्टोर्स पर्वेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4-अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय जिससे राज्य स्तर पर कैशपलों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।

5-निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक के आगणन/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय।

6-व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

7-व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

8-व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/ व्यय आवश्यकतानुसार ही किया जावेगा।

9-उपरोक्त स्वीकृति धनराशि निदेशक,चाय विकास बोर्ड अल्मोड़ा को उपलब्ध कराई जायेगी।

10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसले कृषि कर्म-00-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-आयोजनागत-06-चाय विकास की योजना-02-राज्य में चाय विकास की योजना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-149/वित्त(व्यय नियंत्रण)अनुभाग-4/दिनांक 9/12/2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(उत्पल कुमार सिंह)
सचिव।

संख्या-1303/XVI/05/7(30)/05/तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1-महालेखाकार, उत्तरांचल,ओवराय मोटर्स बिल्डिंग, गाजरा,देहरादून।
- 2-वित्त अनुभाग-4,उत्तरांचल शासन।
- 3-समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 4-निदेशक,चाय विकास बोर्ड,अल्मोड़ा
- 5-बजट,राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय,उत्तरांचल।
- 6-गार्ड फाईल।
- 7-संघीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर,देहरादून।

आज्ञा से

(उत्पल कुमार सिंह)
सचिव।